



IICC 205607



विक्रम विलोक्ता

दिनांक शुक्र	: रुप. 14,80,772/-
सप्ताह शुक्र	: रुप. 7,10,150/-
तदाय शुक्र	: रुप. 1,49,100/-
परगना	: विवरीत

वह विक्रम विलोक्त द्वितीय नामका था जी राम सेठल,

ब टाम शंकर व मेनलू पुत्रगण वान् निवासीगाँव - शान-धुरुपा नगर

हुम्बे बागियामहां, परगना-विजनीर, ताल्सील व ज़िला नवापाल

१. २. ३. ४. ५. ६. ७. ८. ९. १०. ११. १२. १३. १४. १५. १६. १७. १८. १९. २०. २१. २२. २३. २४. २५. २६. २७. २८. २९. ३०.

१. २. ३. ४. ५. ६. ७. ८. ९. १०. ११. १२. १३. १४. १५. १६. १७. १८. १९. २०. २१. २२. २३. २४. २५. २६. २७. २८. २९. ३०.

दिल्ली का अंडाखी

100-200

- ۲ -

29

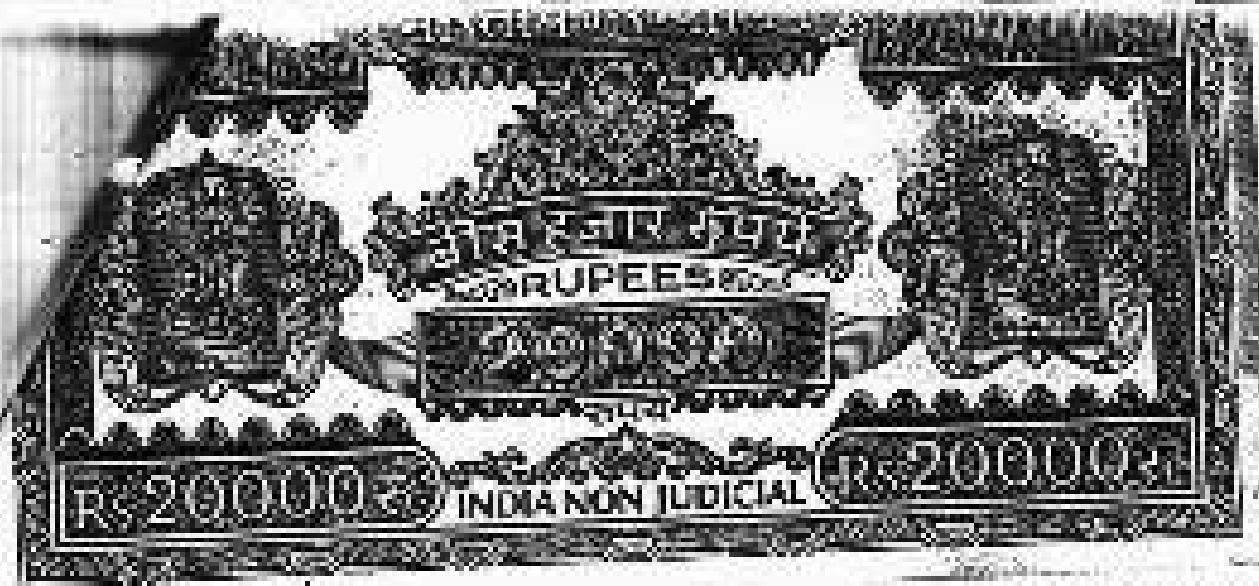
642

4
516 14.09.772

$$\Sigma_{\text{left}} + \Sigma_{\text{right}} = \Sigma_{\text{total}}$$

१ अस्त्राव विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत्
२ विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत्
३ विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत्
४ विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत्

१५४ श्रीमद्भागवत कथा विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या
विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या



0300 305608



.2.

जिसे आगे विवेदाग्रण कहा गया है, एवम् सलाह पुर फैस्ट बर्निंग
नियासी-254, अब्दलीक, अस्सीन, लखनऊ, जब स्पार्क
नियासी-शाह मिलारी, पोर्ट-गोपीन, जिला-फतेहपुर
जिसे आगे कहा यहा गया है, को प्रथम निष्पादित विचार गया।

साह कि विवेदाग्रण भूमि वास्तव 15, 17, 18, 26, 27,
31, 35, 37, 39 एवं 40 एकड़ा 1.537 हेक्टेयर के 1/2 भाग
भारी 0.7935 हेक्टेयर स्थित याम अनुक नाम उर्फ छोटीशाही,
यहाना-विलानीर, रामपुर ए जिला, लखनऊ शहर, उत्तर प्रदेश
काकिय है तथा उपर्योग सख्तापित भट्टार्पिक खाला छतीनी जम
के लिए उपयोग किया जाता है।

प्राप्ति-संस्करण



मिलारी



• 3018 •

$$\sum_{k=0}^{\infty} \alpha^k k^{-\frac{1}{2}} < \infty$$

卷之八

54

三

卷之三

Digitized by srujanika@gmail.com

卷之三

કુલાંગી ની લેણ્ડિંગ

A horizontal strip of a Japanese woodblock print, likely a landscape scene from a larger work. It depicts a path or riverbed winding through a dense forest of trees, possibly pines, with rocky outcrops visible along the way.

藏文：བྱତ୍ୟ རྒྱୋ རྒྱୋ

278 (200)

卷之三

卷之三

藏文大藏经

१०८ अनुवाद

170

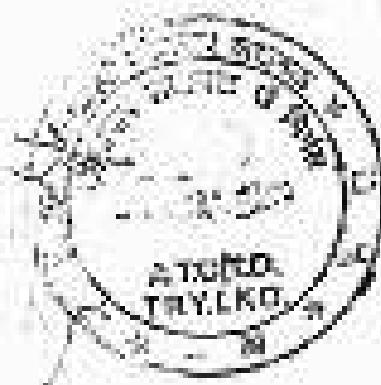
四

10

10



0300 305609

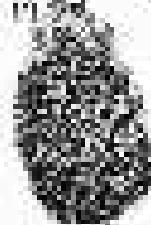
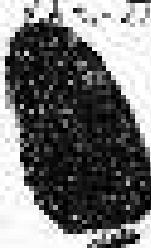


- 3 -

संख्या 115 के अनुराट विक्रेतागण के नाम का जन्मल उदाहरण
दाखल्य अग्निशोभों में हो गया है। विक्रेतागण अपना सम्पूर्ण हिस्सा
प्रेता को इस विक्रत विक्रेता द्वारा विक्रय कर रहा है विक्रेतागण
उपरोक्त सम्पूर्ण मृमि के गालिक, बग्निल व कालिय हैं एवं नर्तकीन
क्षमय में उपल भूमि कृषि भूमि है, और यह कि विक्रेतागण यह
घोषित करता है कि उपरोक्त वर्गीकृत गृमि सभी प्रकार के मारी तो
गुप्त एवं पाक व राफ है तथा विक्रेतागण ने उन्हें इस विक्रल्य के
पूर्ण वक्ती यज्ञ, इत्या, शिव्यो या अनुद्वित्त इत्यादि नहीं किया है।

उपरोक्त मृगि वा क्षम्य कोई भाग किसी न्यायालय वा सुन्दरी

के द्वारा विक्रय

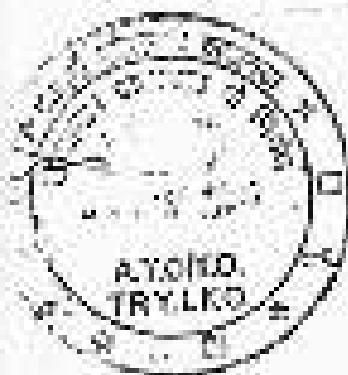


के द्वारा विक्रय





03CC 305610



- 4 -

व्यार्थशाली के अन्तर्गत लिपाद का मल्ला विषय नहीं है, न ही युक्ति इस्तेहादि है। विशेषाग्रण के अन्तर्वा उपर शुग्री वे विशेष अध्य व्यक्ति का भव्य, हक या दमा इस्तेहादि नहीं है, एवं विशेषाग्रण की जात विक्रम अन्तर्म बाटों का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। आएव उपरोक्त सहपति के मुल्लबलय रुप 14,89,772/- (चौहद जात्य नवारी छातार साल सी बहातर स्थाया) से जनिकल गे गिसका कि उपरोक्त छेत्र छाता विशेषाग्रण की इस विलेल फे अन्त धी गड़ अनुभूति मे वर्गीत विषय के अनुलाभ शुग्रान यन्त्र दिया गया है एवं विवाही प्राप्ति को विशेषाग्रण वही उद्दीकार भवते हैं, तदानुसार

प्रिय विशेषाग्रण विशेषाग्रण विशेषाग्रण





03CC 805611

उक्त विभागीय दस्ता के द्वाय उक्तोंना बांगत गुणि, जिसका विवरण इस विकाय विलेख के अन्त में अनुसूची के अन्वेषित किया गया है, को कार्ड ऐव दिला है। एवं विभागीयाण ने विभागीय शुभि का थीके पर यस्ता दस्ता को बद्धुत्ति करा दिया गया है। अब उक्त आदानी पर विभागीय तथा उक्तके वारितान का कोई अधिकार नहीं है। विभागीय ने विभागीय तथ्यांको आगने स्वामित्य के समलै अधिकारी के हाथ चुनितया व हमेशा के लिए चेता को इलाज्जादित कर दिया है। अब जोता विभागीय रूपरिति स्वरूप उक्तके प्राचीक जाग गो अक्से एकमात्र स्वामित्य व

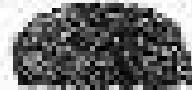
विभागीय

मुख्य अधिकारी

मुख्य अधिकारी

विभागीय

विभागीय



५००० रु.

R^S 5000

प्रकाशन कर्ता

भारत सरकार

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

पाँच हजार
रुपये

A.R.V./R.
1918/19

1918/19

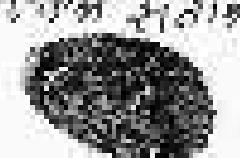
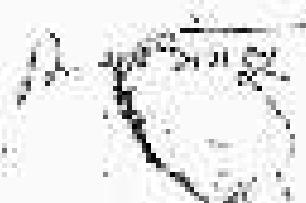
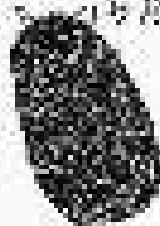
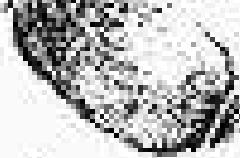
- 6 -

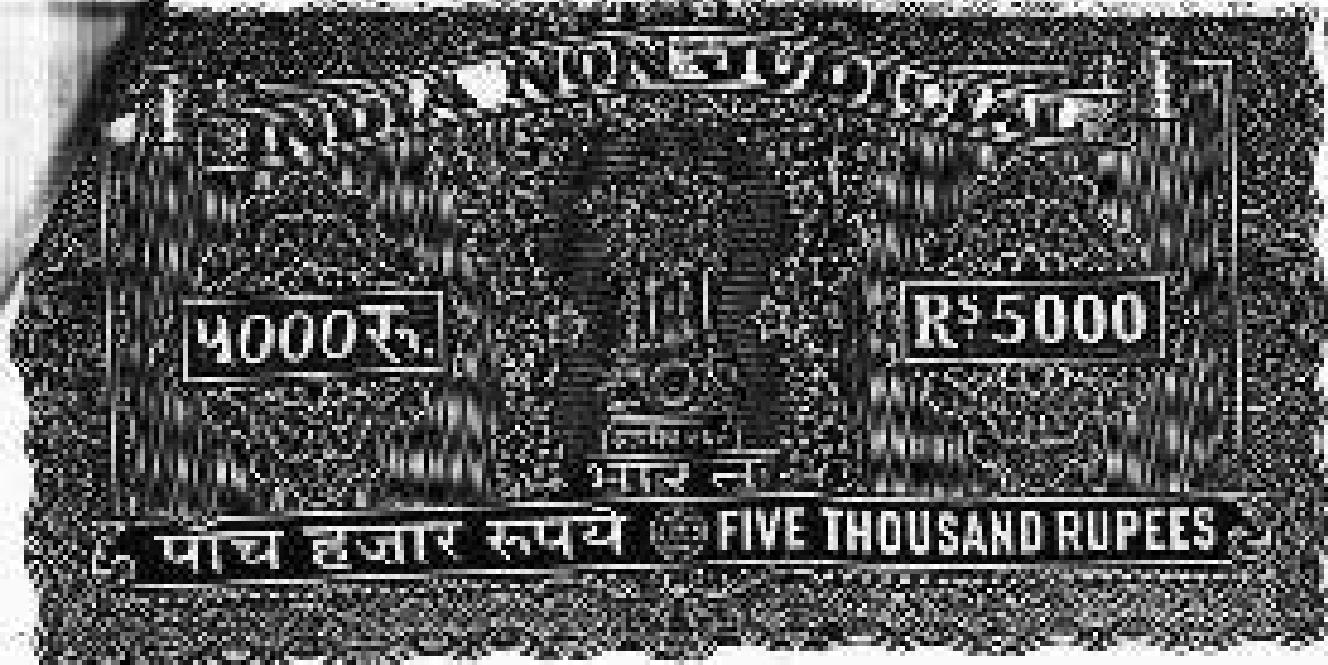
आधिकार द कर्त्त्व में सम्मिलि के द्वारा मैं पात्र हूँ अपनीग व
अपनीग कर्त्त्व। विक्रेतागण इसमें निष्ठी प्रकार की अद्वितीय जागा
नहीं डाल सकत्त्वे एवं यह ही कोई भाग बन सकत्त्वे। और यदि
विक्रेतागण अपनी कोई भाग विक्रेतागण के स्वामीलि में
शुटि के काटण या कानूनी अद्वितीय या कानूनी शुटि में कारण क्रेता
या उठले वासितान निष्पादकगण इत्यादि के कर्त्त्वे या आधिकार या
स्वत्व से विक्रेता जाये तो क्रेता उसके वासितान, निष्पादकगण
इत्यादि को अह छक होगा कि वह अपना राम्रता गुणसान गव
हुआ य आवा, विक्रेतागण की चल, अचल सम्मिलि से जरिए

(1) - २ - विक्रेता

विक्रेता के द्वारा

विक्रेता, आवा





191971

अद्युत गम्भीर भूषण से। वह दिन में विश्वेताग्रण एवं उत्तराखण्ड का विस्तार होना यह अधीक्षण के लिए आवश्यक होगा।

वह जिन द्वेषा विश्वव्यवस्था लेपालिंग की दारिद्र्य लाइन अमिलेली में अपने नाम बर्ज करा लें तो विश्वेताग्रण को कोई आलालिंग न होगी और यह कि इस विश्वव्यवस्था की पूर्व का अग्रह लोड घटाकर फिरी उत्तराखण मार छरा राष्ट्रपति पर होगा। तो उत्तराखण विश्वेताग्रण गुजरात व बहु बनेंगे, विश्वेताग्रण को कोई आपलिंग न होगी।





1918

-8-

इह कि उत्तोक्त संसद नम्रत गण नूलपा नगर उर्फ
बिहारमऊ, अविनगरीय क्षेत्र के द्वापन्ना गाम ने अन्तर्गत आता है
इसलिए नियमित चक्रविल रेट रुप ५,००,०००/- प्रति हेक्टेएक्ट के
हिताब से विक्रीत भूमि ०.७५३५ हेक्टेएक्ट की मालिकता रुप
७,१४,१३०/- होती है। तथा विकाय मूल्य, भूमि की यात्राल मूल्य
से अधिक है इसलिए नियमानुसार विकाय मूल्य पर ही रुप
१,७९,०००/- जनरल रुपाल्य अवा विक्षा जा रहा है। यह कि
उपरोक्त विक्रीत भूमि कृषि के उत्त्योग के लिए लायी जा रही



५०००र.

R^१ ५०००

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES



191832

- ९ -

हे। इस मुद्रि में कोई कुमार, ताम्रक, व निर्माण जाने नहीं है, तथा २००० चौप यो अवध्यारा में कोई शिरका नहीं है बिन्दुगत भूमि विक्षी परिक भाग, राजगार्व व अनामीक भाग पर स्थित कही है। बिन्दुगत मुद्रि सुलानपुर टोड से लगभग छोटे गिलोपीटह से अधिक दूरी पर स्थित है। निकेतनगण व ग्रन्ता दोनों अनुद्धवित जानि के सदृश हैं। इस विभव गिलेट के निवासन वा समूल भवा के तो द्वारा बहुत विलया गया है।





- 10 -

परिशिष्ट : विवरण विवरणात्मक सम्पत्ति का विवरण

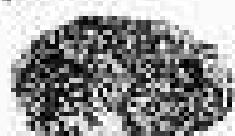
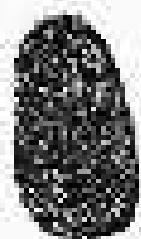
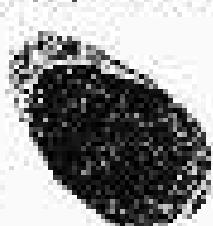
भूमि असदा 15, 17, 18, 26, 27, 31, 36, 37, 301 घड़ि

रकमा 1.567 फ्लैट्स के 1/2 भाग अर्थात् 0.7935 फ्लैट्स

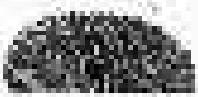
स्थित यथा बृहुप नगर उर्फ बागवान्नपुर, परगना-बिल्ली,

तहसील न जिला, लखनऊ जिलाकी चौकटी निम्न है।

1. देखा विवरण 2. देखा विवरण 3. देखा विवरण



देखा विवरण





190825



- 11 -

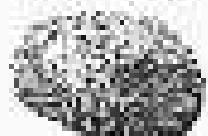
खसदा नमू रुपया ५००० रुपयों के लिए

फूर्म	: खसदा संख्या-16
परीक्षण	: असाठी संख्या-14
ब्राह्म	: असाठी संख्या-86
दाखिल	: असाठी संख्या-17, 18



गोपनीय
मुख्य सचिव

गोपनीय सचिव





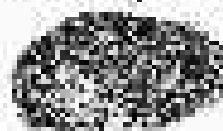
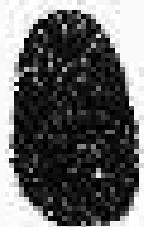
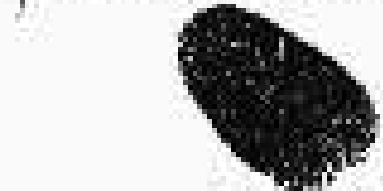
190826

- 12 -

मालवा नं १२ दद्यना ०.३२० फ्रैंक्टेन्ट

पूर्ण	: मालवा राजधा-३७
गलिम	: मालवा राजधा-१८
ब्लॉट	: मालवा राजधा-१५, १६
दोस्रा	: मालवा राजधा-२५

12.2.1908. (Date) 12.2.1908. (Signature)



मालवा राजधा

12.2.1908.



५००० रु.

Rs 5000

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

191210

- 13 -

खस्ता का २४ रुपया ०.०९९ ग्रॅमेट्री

पट्टा : खस्ता संख्या-१७

पश्चिम : लस्ता संख्या-१०

हल्का : खस्ता संख्या-१५

दक्षिण : लस्ता संख्या-२५

खस्ता का २६ रुपया ०.१७७ ग्रॅमेट्री

पट्टा : खस्ता संख्या-३७

पश्चिम : लस्ता संख्या-०

हल्का : खस्ता संख्या-२३, २५

दक्षिण : खस्ता संख्या-२७

१०. - ११. - १२.

१३. - १४. - १५.

१६. - १७. - १८.

१९. - २०. - २१.

२२. - २३. - २४.

२५.

२६. - २७. - २८.



191211

- 14 -

लालदा नं० २७ टक्का ०.५८८ रुपये

पूर्व : छासदा संख्या-३६

पश्चिम : छासदा संख्या-१, ३

उत्तर : छासदा संख्या-२६.

विपरीण : छासदा संख्या-१

छासदा नं० ३१ टक्का ०.८७७ रुपये

पूर्व : छासदा संख्या-३०

पश्चिम : छासदा संख्या-२९

उत्तर : छासदा संख्या-३५, ३२

क्रमांक
नं० २७

क्रमांक
नं० ३१

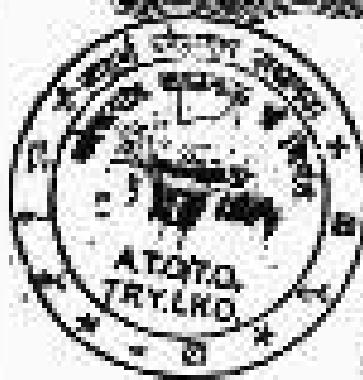
क्रमांक
नं० ३५

क्रमांक
नं० ३२

क्रमांक
नं० ३०

क्रमांक
नं० ३४

5000Rs.



191212

- 15 -

देखिग : लक्ष्मा संख्या-३०

अलगा नं ३६ लक्ष्मा १.१३.२ टिकटेक्टर

गुड़ : लक्ष्मा संख्या-३५,

परिवर्तन : लक्ष्मा संख्या-२७

वाहन : लक्ष्मा संख्या-३७

दाकिंग : लक्ष्मा संख्या-३८

अलगा नं ३७ लक्ष्मा १.१४.५ टिकटेक्टर

गुड़ : लक्ष्मा संख्या-३५

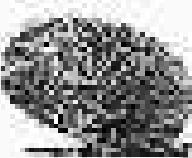
परिवर्तन : लक्ष्मा संख्या-२६

(१) लक्ष्मा (२) लक्ष्मा (३) लक्ष्मा (४) लक्ष्मा

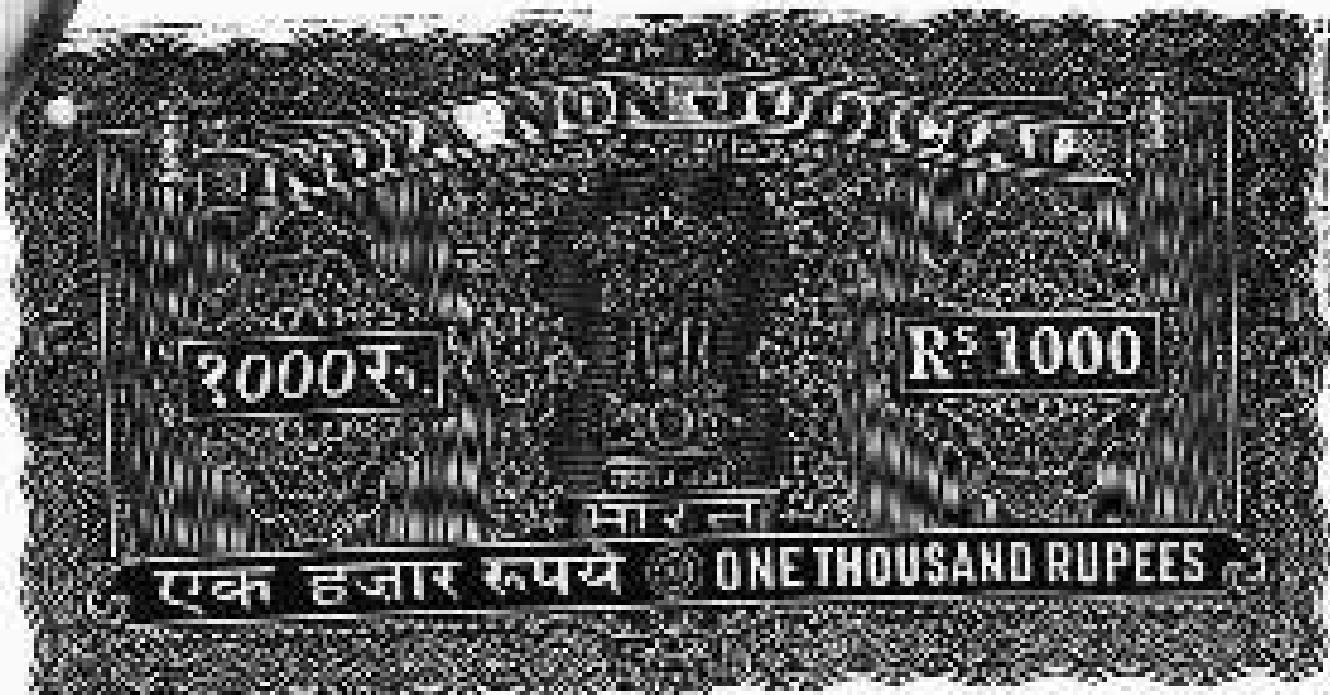
लक्ष्मा



लक्ष्मा



लक्ष्मा



- 16 -



उमरां : छत्तीसगढ़ा-२४, २५

दसिण : छत्तीसगढ़ा-३०

छत्तीसगढ़ा नमू न० १०१ टक्का ०.३६७ ग्रॅम्मेट

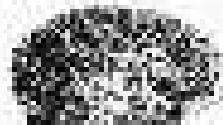
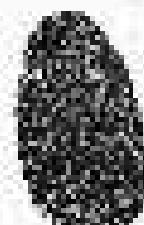
मूल्य : छत्तीसगढ़ा दीपट

परिवेश : छत्तीसगढ़ा-३००

वर्तमान : छत्तीसगढ़ा रोड़ा-७६९

दोस्रा : छत्तीसगढ़ा-३०२

(१) श्री. निलाम्बन
२) श्री. निलाम्बन
३) श्री. निलाम्बन





- 17 -

परिशिष्ट : भगतान विषय

यह विषय कृत्य विक्रेतागण को लड्डा १४ ८९.८८/- दीवार
लाल नगांडी हजार साल से बाजार लगाया) द्वारा से प्राप्त द्वारा
तथा जिसकी प्राप्ति विक्रेतागण स्वीकृत यत्ती है।

लिहाजा वह विषय कर हुग विक्रेतागण ने छेता के पक्ष में
समझ गगड़न बिना किसी जोर दबाव के, ए त्वरण घिल द मन
के फिल्हाल दिल के दिल के दिल के दिल के दिल के



1000Rs

₹ 2000/-

₹ 1000/-

मार्क

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

परि दशा मैं लिख दिया ताकि सभद रहे और
आगमनकाला पहुँचे पर काग आवें।

लक्षणज

दिनांक 16.11.2004

गवाह

1.

गोपाल सिंह बिहारी
 विभागीय अधिकारी
 विभागीय अधिकारी
 विभागीय अधिकारी
 2. गोपाल सिंह बिहारी

लक्षण वंश विधायक

गोपाल सिंह बिहारी

टाइपर्सी

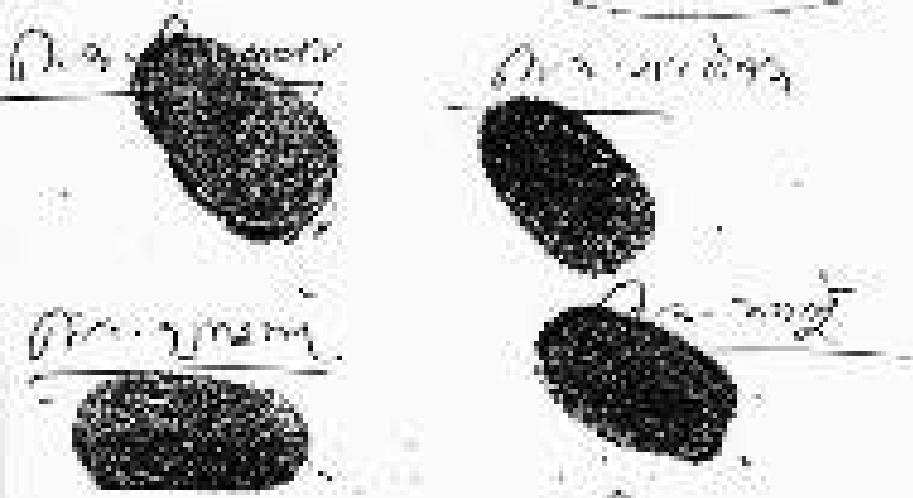
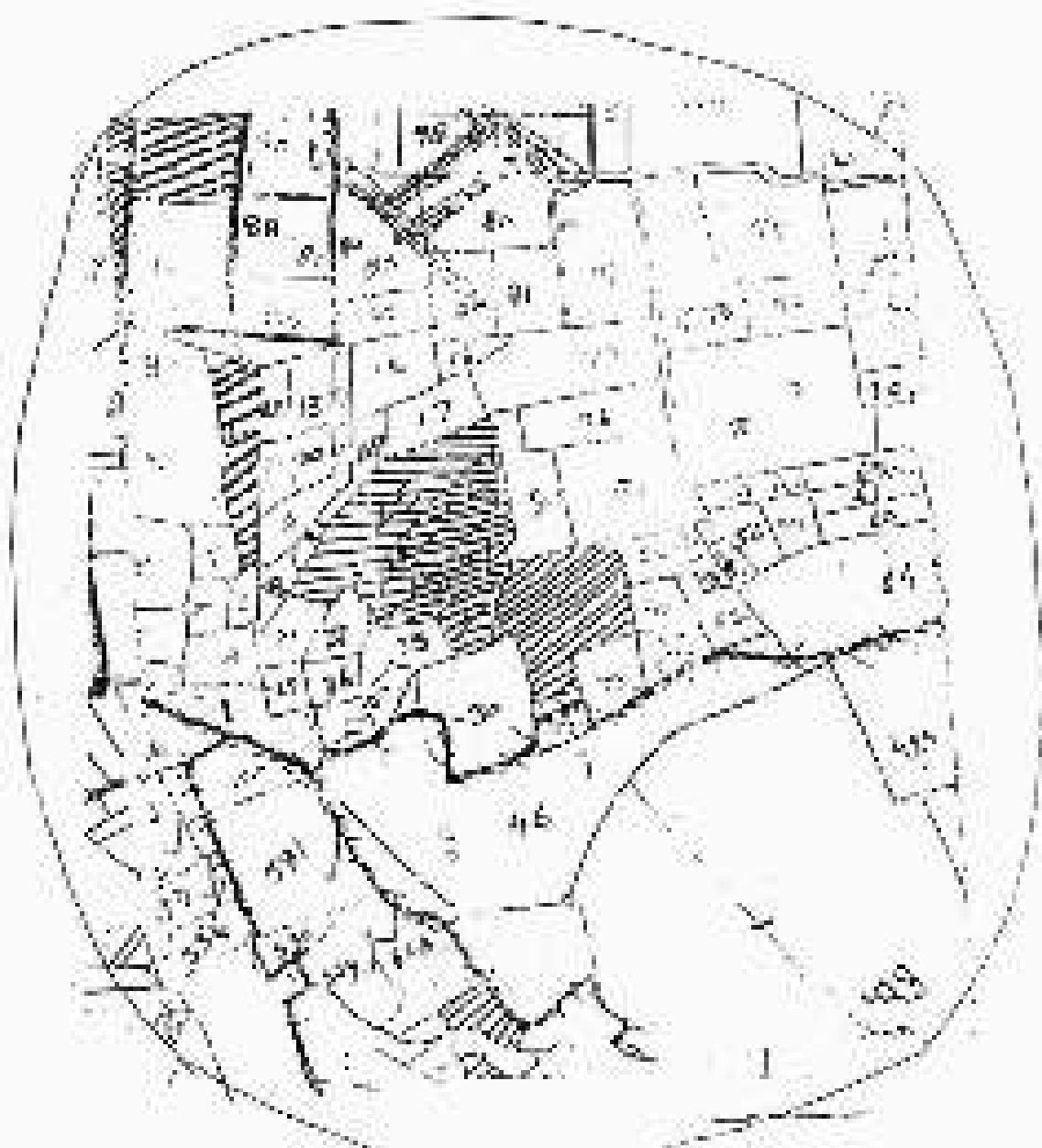
(ताम्र स्तम्भ)

सलाहकारी

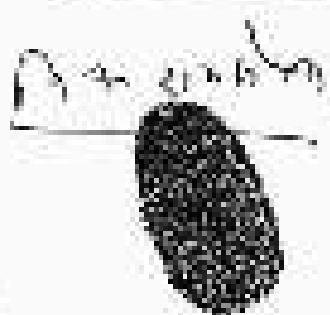
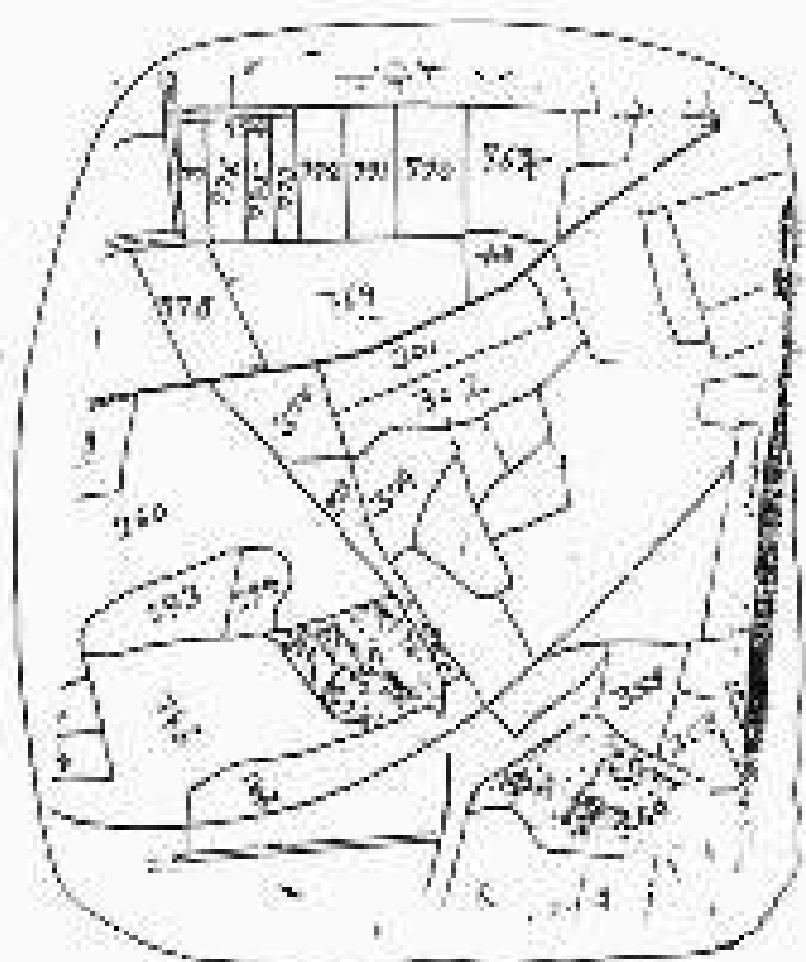
(अमर राम सिंह)

एवं विधायक

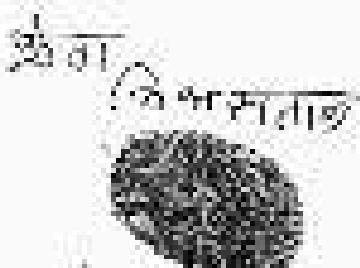
સુરત - કાશી - કાશી પદ્મ - મણિ - વિજય



ପ୍ରାଚୀ କୁଣ୍ଡଳ ମହାଦେଵ ମନ୍ଦିର ପତ୍ର ପରିମାଣ ମାତ୍ରା



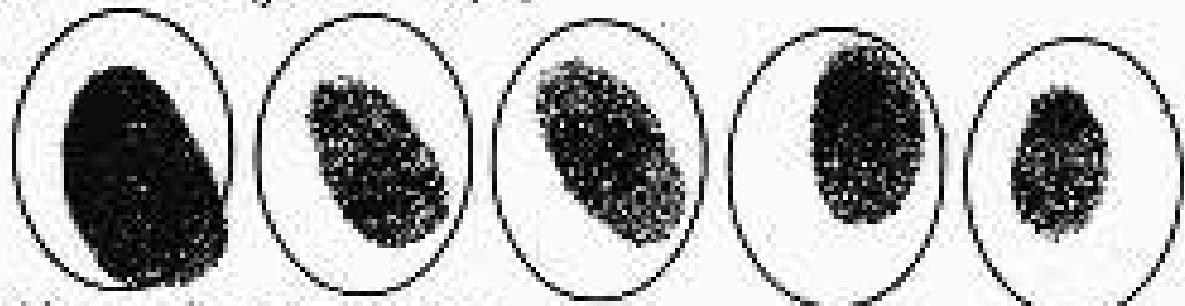
ପରିମାଣ
ମାତ୍ରା



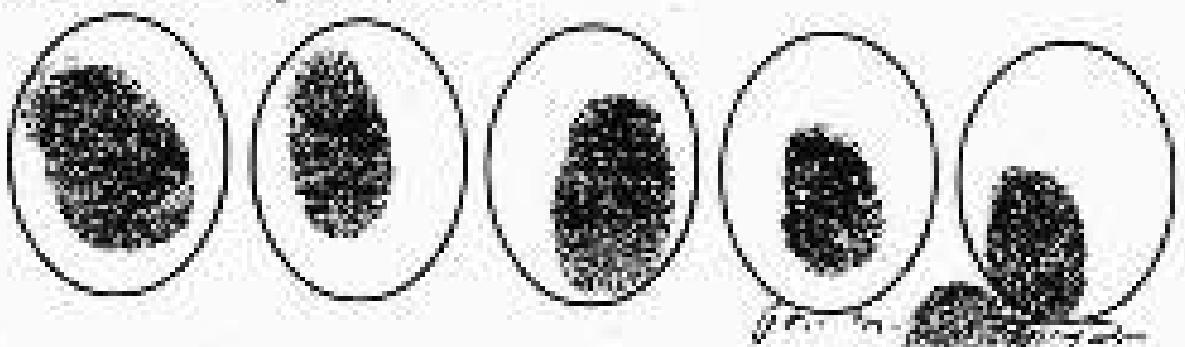
राजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा 32ए. के अनुपालन
हेतु फिंगर प्रिन्ट्स

अस्तुकालिक का नाम व पता : ---
प्राप्ति का दिन : ---

वाद हाथ के अंगूलियों के चिह्न :

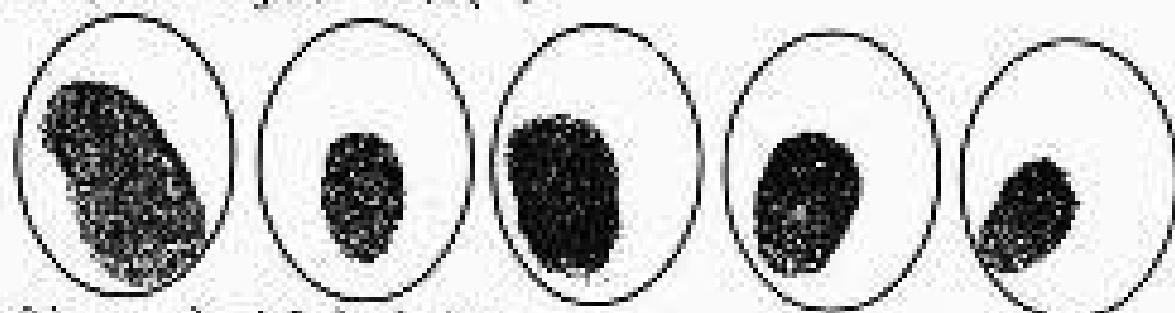


यादी हाथ के अंगूलियों के चिह्न :

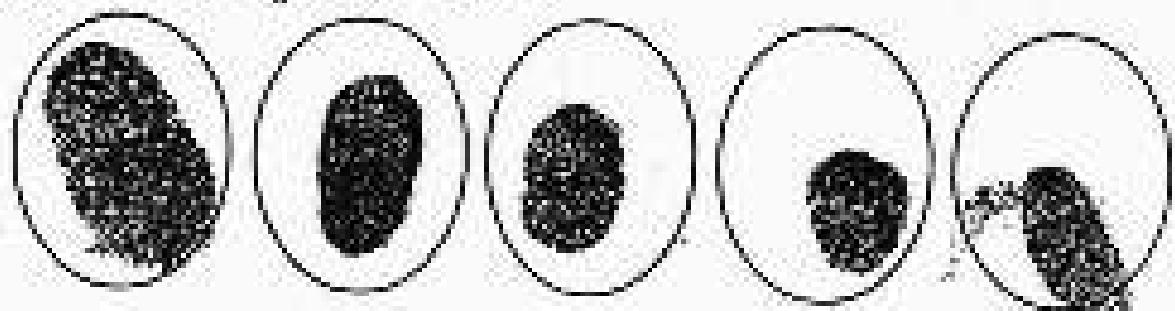


अस्तुकालिकों का नाम व पता : ---
प्राप्ति का दिन : ---

वाद हाथ के अंगूलियों के चिह्न :



यादी हाथ के अंगूलियों के चिह्न :



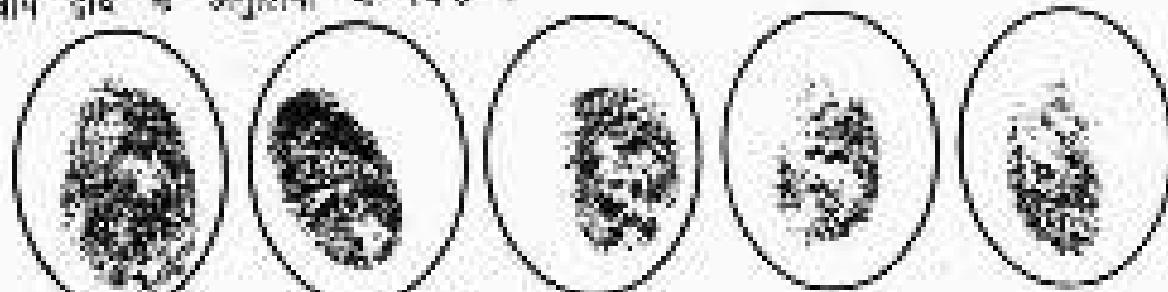
विकल्प नाम संज्ञा
--- --- --- --- ---

रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा 32ए. के अनुपालन
हेतु फिंगर्स्प्रिन्ट्स :

प्रस्तुतवाचिकों का नाम व ज्ञा :

प्रस्तुतवाचिकों का नाम व ज्ञा :

बाये हाथ के अण्डियों के चिह्न :



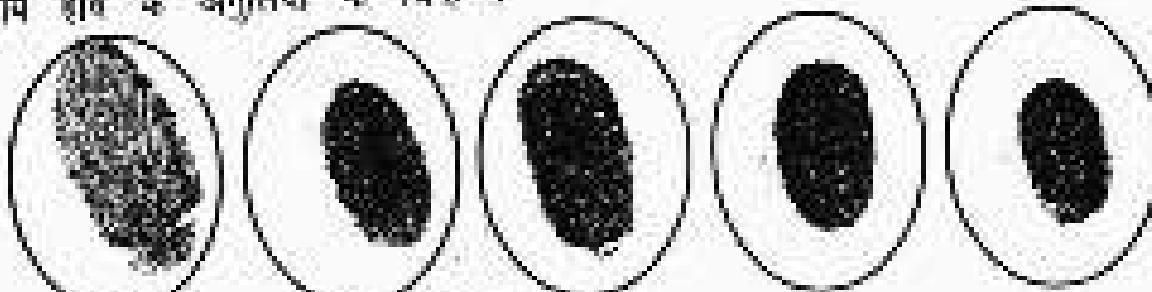
दाहिने हाथ के अण्डियों के चिह्न :



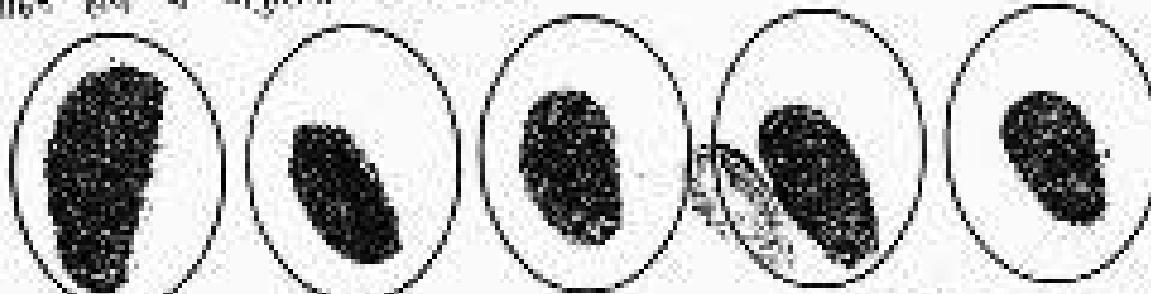
प्रस्तुतवाचिकों का नाम व ज्ञा

प्रस्तुतवाचिकों का नाम व ज्ञा :

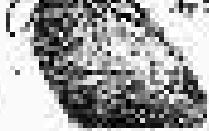
बाये हाथ के अण्डियों के चिह्न :



दाहिने हाथ के अण्डियों के चिह्न :



प्रस्तुतवाचिकों का नाम व ज्ञा

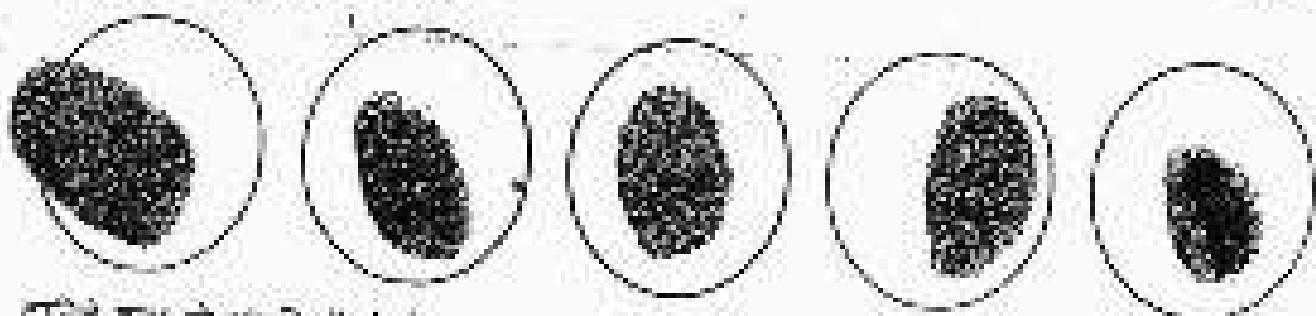


एजेंस्ट्रेटन अधिनो 1908 की धारा-32 ए० के अनुपालन हैं,

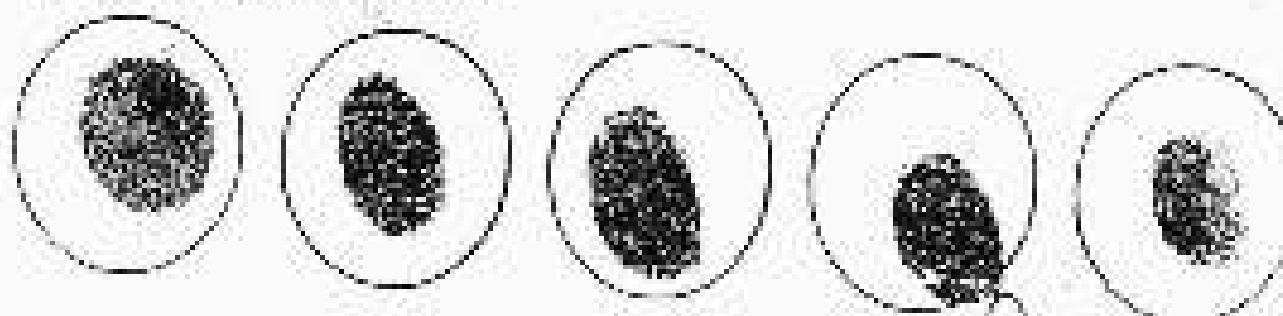
फिल्म स्प्रिंग्स

(क्रमांकान् नं ३५६ व या २५७) -

यह तथ्य के अनुसार जे विष्ट -



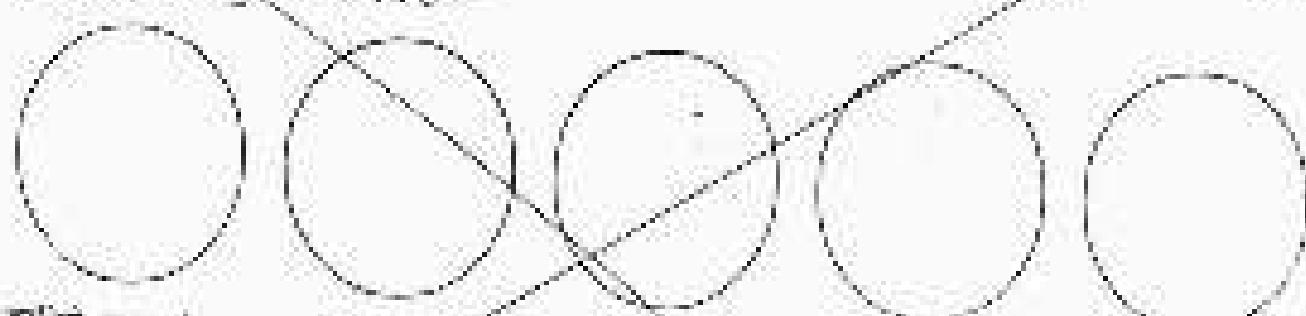
दोनों तथ्य के अनुसार जे विष्ट -



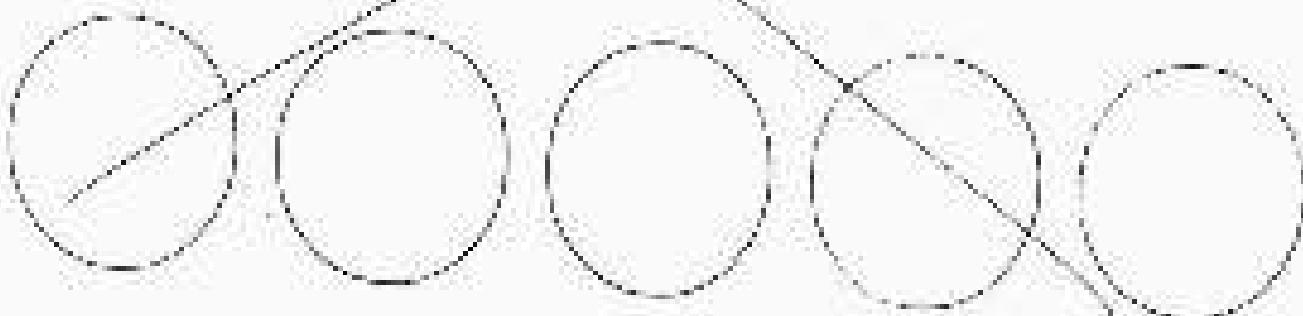
लिंग / लिंग तान व या -

स्त्रीलिंग के अनुसार

वाई तान व अनुसार जे विष्ट -



स्त्रीलिंग व अनुसार -



17/11/82
ପ୍ରକାଶ ମହିନା
ପ୍ରକାଶ ମହିନା
ପ୍ରକାଶ ମହିନା